AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

महाकुंभ-2025 का अध्ययन करेगा लविवि, छात्रों को मिलेगा फायदा

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज और मानवशास्त्र विभाग की ओर से प्रयागराज में महाकुंभ-2025 पर आधारित दो प्रोजेक्ट पर अध्ययन किया जाएगा। पहले प्रोजेक्ट में वहां की तैयारी और सुरक्षा से जुड़ी चीजें शामिल होंगी तो वहीं दूसरे में महाकुंभ में भारतीय संस्कृति की नई तस्वीर और वहां होने वाले कार्यक्रमों को शामिल किया जाएगा।

लविवि के कुलपति प्रो. आलोक राय ने बताया कि महाकुंभ एक बड़ा आयोजन है। इसकी तैयारियों व कार्यक्रम पर अध्ययन से जो जानकारियां मिलेंगी, वह भविष्य में छात्रों के भी बहुत काम आएगा। महाकुंभ 2025 में पांच से छह करोड़ लोगों के पहुंचने की उम्मीद है जिसमें देश ही नहीं, विदेशों से भी बड़ी तादाद में सैलानी पहुंचेंगे। इतने सारे लोगों को सुरक्षित व्यवस्था प्रदान करना बड़ी चुनौती होगी। इसका अध्ययन करने की जरूरत है। इसमें फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज की डीन संगीता साहू को प्रोजेक्ट का निरीक्षक बनाया गया है।

अध्ययन में कार्यबल का मूल्यांकन, रणनीतिक कार्यबल योजना और दृष्टिकोण, कार्यस्थल पर तैनाती, संचालन और अनुपालन, पर्यावरण संस्कृति, संचार और नेतृत्व जैसे विषय शामिल होंगे। इसके विस्तृत विश्लेषण के साथ एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज की डीन व मानवशास्त्र की प्रोफेसर को मिला जिम्मा

प्रोफेसर केया पांडेय

प्रोफेसर संगीता साहू

- **शोध पत्रों के रूप में होगी प्रथाओं की पहचान :** केस स्टडी और शोध पत्रों के रूप में सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान की जाएगी जो भविष्य में होने वाले ऐसे आयोजनों के लिए सीख प्रदान करेंगी। प्रयागराज में महाकुंभ-2025 की शुरुआत 13 जनवरी से होगी जो 26 फरवरी तक चलेगा। 45 दिनों की इस अवधि में नियमित अध्ययन किया जाएगा। इसमें पर्यटकों की इतनी बड़ी संख्या की यात्रा के प्रबंधन पर फोकस रहेगा।
- **तीर्थयात्रा और भौगोलिकता पर होगा मानवशास्त्रीय अध्ययन :** लखनऊ विश्वविद्यालय के मानव शास्त्र विभाग की ओर से महाकुंभ मेले के सांस्कृतिक, सामाजिक और संगठनात्मक पहलुओं का अध्ययन भी किया जाएगा। यह तीर्थयात्रा और पवित्र भौगोलिकता पर एक मानवशास्त्रीय अध्ययन होगा जो सांस्कृतिक स्मृति और संचार, यानी किस प्रकार कुंभ मेला की कथाएं, मिथक और अनुभव पीढ़ी दर पीढ़ी प्रसारित होते हैं, इसका अध्ययन किया जाएगा। इस अध्ययन में प्रोफेसर केया पांडेय की भूमिका अहम होगी। यह शोध मानवशास्त्र, धार्मिक अध्ययन और भूगोल के क्षेत्र में योगदान देगा।

प्रो. एसएन पांडेय को ग्रीन साइंटिस्ट अवॉर्ड

स्रोत : स्वयं

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के बॉटनी विभाग के प्रोफेसर एसएन पांडेय को राष्ट्रीय ग्रीन साइंटिस्ट अवॉर्ड-2024 से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार प्रो. पांडेय को शोध और विकास के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए मिला है। 28 व 29 दिसंबर को पूरन सिंह मेमोरियल ऑडिटोरियम में प्रकृति, विज्ञान और आधुनिक जीवनशैली और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह आयोजन सर्वहित कल्याण सेवा समिति (एसकेएसएस) की ओर से लाइफस्टाइल फॉर एनवायरमेंट और नमामि गंगे जैसी पहल के सहयोग से हुआ। (संवाद)

प्रो. अमिता व डॉ. कल्पना सम्मानित

स्रोत : स्वयं

लखनऊ। सर्वहित कल्याण सेवा समिति की ओर से प्रकृति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 28 व 29 दिसंबर को पायनियर मॉन्टेसरी स्कूल में किया गया। सम्मेलन में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणि शास्त्र विभाग की विभाग की प्रोफेसर अमिता कनौजिया और एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कल्पना सिंह को सम्मानित किया गया। प्रो. अमिता को पुरस्कार कार्य स्थायी संरक्षण प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए और डॉ. कल्पना को भारतीय शास्त्रीय संगीत के चिकित्सीय प्रभाव पर उनके व्यापक अनुसंधान के लिए दिया गया। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 8

महाकुम्भ में संचालन और रणनीति पर अध्ययन करेगा एलयू

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। महाकुंभ 2025 विशाल होगा। कैसे चार से पांच करोड़ लोगों के आने का प्रबंध होगा, कितना कार्यबल लगेगा, साथ ही इसके संचालन के प्रमुख बिन्दु क्या होंगे। इन सभी बिन्दुओं पर एलयू एक अध्ययन करने जा रहा है। नगर विकास विभाग उत्तर प्रदेश की ओर से एलयू को महाकुंभ का अध्ययन करने का प्रोजेक्ट दिया गया है। ये प्रोजेक्ट एलयू के फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज करेगा। महाकुंभ के प्रभावी आयोजन के लिए कार्यबल रणनीतिक योजना और संचालन पर एक अध्ययन विषय पर विभाग विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगा।

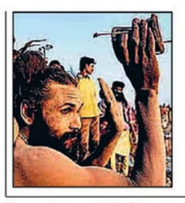

इतनी बड़ी आबादी की यात्रा प्रबंधन पर रिपोर्ट बनेगी

इतनी बड़ी विविध आबादी की यात्रा का प्रबंधन करने के लिए सेवा के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता वाले स्वयंसेवकों और सेवा प्रदाताओं के बड़े कार्यबल की आवश्यकता होती है। यह चुनौतीपूर्ण, गतिशील और अत्यधिक रचनात्मक वातावरण कार्यबल संचालन के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करने और इस पैमाने पर जनसंचार प्रबंधन तथा स्वयंसेवकों/कार्यबल द्वारा दी गई सेवाओं का प्रबंधन करने का अवसर प्रदान करता है। प्रोजेक्ट इन्वेस्टिगेटर प्रो. संगीता साहू, डीन फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज ने बताया कि इस अध्ययन का ध्यान इवेंट कार्यबल मूल्यांकन, रणनीतिक कार्यबल योजना और दृष्टिकोण, कार्यस्थल तैनाती, संचालन, और अनुपालन, इवेंट पर्यावरण संस्कृति, संचार और नेतृत्व पर केंद्रित होगा। इसकी विस्तृत विश्लेषण के साथ एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। साथ ही केस अध्ययन और शोध पत्रों के रूप में सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान की जाएगी।

पवित्र स्थान और मानव अनुभव की समझ

एलयू कुम्भ मेला के सांस्कृतिक, सामाजिक, संगठनात्मक और अवसंरचनात्मक पहलुओं का अध्ययन करने के लिए एक अन्य अंतर्विभागीय पहल भी करेगा। इस परियोजना का नाम ₹ मैपिंग द ट्रांजिएंट मेट्रोपोलिस: कुम्भ मेला के संदर्भ में तीर्थयात्रा और पवित्र भौगोलिकता पर एक मानवशास्त्रीय अध्ययन है। जो सांस्कृतिक स्मृति और संचार, यानी किस प्रकार कुम्भ मेला की कथाएं, मिथक और अनुभव पीढ़ी दर पीढ़ी प्रसारित होते हैं। इसका अध्ययन करेगी। यह अध्ययन मौखिक इतिहास और स्थानीय कथाओं की भूमिका का भी विश्लेषण करेगा और कुम्भ मेला स्थलों के पवित्र भूगोल, उनके ऐतिहासिक, पुराणिक और धार्मिक महत्व का अध्ययन करेगा। यह शोध मानवशास्त्र, धार्मिक अध्ययन और भूगोल के क्षेत्र में योगदान देगा। जिससे पवित्र स्थानों और मानव अनुभवों के बीच के संबंध को और अधिक समझ सकेंगे। महा कुम्भ के स्थानिक और प्रतीकात्मक आयामों की जांच करके, यह अध्ययन सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गतिशीलता को समझने में मदद करेगा जो पवित्र स्थानों के साथ मानव संबंधों को प्रेरित करेगा।

LOKSATYA PAGE 2

प्रो. एसएन पांडे एसकेएसएस राष्ट्रीय ग्रीन साइंटिस्ट अवॉर्ड से सम्मानित

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय बॉटनी विभाग के प्रो एसएन पांडे को प्रतिष्ठित एसकेएसएस राष्ट्रीय ग्रीन साइंटिस्ट अवॉर्ड 2024 से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार प्रो. पांडे के शोध और विकास के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान को मान्यता देने के लिए प्रदान किया गया।यह पुरस्कार 28-29 दिसंबर को लखनऊ के पूरन सिंह मेमोरियल ऑडिटोरियम में आयोजित प्रकृति, विज्ञान और आधुनिक जीवनशैली: मुद्दे और परिप्रेक्ष्य अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान प्रदान किया गया। इस आयोजन का आयोजन सर्वहित कल्याण सेवा समिति (एसकेएसएस) द्वारा लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट और "नमामि गंगे" जैसे पहलों के सहयोग से किया गया, जिसमें स्थिरता और पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया गया।पुरस्कार समारोह में कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें श्री राजीव कुमार (IFS सेवानिवृत्त), ईएसी इंडस्ट्री-1, पर्यावरण मंत्रालय के अध्यक्ष; डॉ. अफरोज अहमद, राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के सदस्य; और प्रो. ए.के. पांडे, आईसीएआर के पूर्व प्रधान वैज्ञानिक शामिल थे। प्रो. पांडे का कार्य स्थिरता को बढ़ावा देने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसमें पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने वाले प्रभावशाली शोध शामिल हैं।

सम्मान

- **शोध और विकास के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए हुए विभूषित**
- **लखनऊ के पूरन सिंह मेमोरियल ऑडिटोरियम में आयोजन**

अनुसंधान में योगदान देने वाले शिक्षकों का सम्मान

सम्मेलन

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। सरवहित कल्याण सेवा समिति की ओर से हुए दो दिवसीय प्रकृति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी: आधुनिक जीवनशैली - मुद्दे और दृष्टिकोण पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन रविवार को हुआ। पायनियर मेंटेसरी कॉलेज, एल्डिको में हुए सम्मेलन में विज्ञान और अनुसंधान में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रमुख प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। सम्मेलन में महिला उत्कृष्टता पुरस्कार प्रो. अमिता कनौजिया को दिया गया। जो एक प्रसिद्ध वन्यजीव संरक्षणविद् हैं। उनके अग्रणी प्रयासों ने जैव विविधता संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रो. कनौजिया का कार्य स्थायी संरक्षण प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है।

सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक पुरस्कार-2024 एसोसिएट प्रोफेसर प्राणीशास्त्र विभाग, एलयू डॉ. कल्पना सिंह को भारतीय शास्त्रीय संगीत के चिकित्सीय प्रभाव पर उनके व्यापक अनुसंधान के लिए मिला। उनके अनुसंधान ने संगीत चिकित्सा के क्षेत्र में नई संभावनाओं को उजागर किया है, जो आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल में भारतीय शास्त्रीय परंपराओं की सांस्कृतिक और वैज्ञानिक प्रासंगिकता पर जोर देता है।

i-NEXT PAGE 5

महाकुंभ पर विस्तृत स्टडी करेगा एलयू

प्रबंध अध्ययन संकाय ने तैयार की रूपरेखा

LUCKNOW (29 DEC): लखनऊ विश्वविद्यालय का प्रबंध अध्ययन संकाय 2025 के महाकुंभ के लिए कार्यबल, रणनीतिक योजना एवं संचालन आदि पर विस्तृत अध्ययन करेगा. इसको लेकर संकाय ने प्रोजेक्ट तैयार किया है. प्रोजेक्ट का शीर्षक महाकुंभ 2025 के प्रभावी आयोजन के लिए कार्यबल रणनीतिक योजना और संचालन पर अध्ययन रखा गया है.

13 से शुरू होगा कुंभ

महाकुंभ मेला 13 जनवरी से 26 फरवरी तक 5.5 मिलियन आबादी के साथ प्रयागराज के संगम में आयोजित किया जाएगा. 45 दिनों की इस अवधि में 500-600 मिलियन से अधिक लोगों (अनुमानित) के समूह की मेजबानी करने के लिए तैयारी की गई है. इस दौरान भारत और विदेश से लोग दिव्य आशीर्वाद लेने के लिए यमुना और गंगा नदी के पवित्र संगम पर जाएंगे.

बड़े कार्यबल की आवश्यकता

प्रबंध अध्ययन संकाय की अधिष्ठाता प्रो. संगीता साहू ने बताया कि इतनी बड़ी विविध आबादी की यात्रा का प्रबंधन करने के लिए सेवा के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता वाले स्वयंसेवकों और सेवा प्रदाताओं के बड़े कार्यबल की आवश्यकता होती है. यह अध्ययन इवेंट कार्यबल मूल्यांकन, रणनीतिक कार्यबल योजना, दृष्टिकोण, कार्यस्थल तैनाती, संचालन, अनुपालन, इवेंट पर्यावरण संस्कृति, संचार और नेतृत्व पर केंद्रित होगा. इसकी विस्तृत विश्लेषण के साथ रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी. साथ ही केस अध्ययन और शोध पत्रों के रूप में सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान की जाएगी.

मिथक का भी अध्ययन

लखनऊ विश्वविद्यालय कुंभ मेला के सांस्कृतिक, सामाजिक, संगठनात्मक और अवसंरचनात्मक पहलुओं का अध्ययन करने के लिए एक अन्य अंतर्विभागीय पहल भी करेगा. इसमें कुंभ मेला की कथाएं, मिथक और अनुभव पीढ़ी दर पीढ़ी प्रसारित होने, मेला स्थलों के पवित्र भूगोल, उनके ऐतिहासिक, पुराणिक और धार्मिक महत्व का भी अध्ययन करेगा.

प्रो. अमिता समेत लखनऊ के अन्य शोधार्थी सम्मेलन में हुए सम्मानित

आयोजन

- **अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रख्यात शिक्षाविदों का सम्मान**
- **दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ**

लखनऊ, लोकसत्य। सरवहित कल्याण सेवा समिति के प्रकृति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी: आधुनिक जीवनशैली-मुद्दे और दृष्टिकोण पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। यह सम्मेलन 28-29 दिसंबर को पायनियर मोंटेसरी कॉलेज, एल्डिको में आयोजित किया गया। जिसमें विज्ञान और अनुसंधान में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रमुख प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। सम्मेलन में महिला उत्कृष्टता पुरस्कार (Women of Excellence Award) प्रो. अमिता कनौजिया को प्रदान किया गया। जो एक प्रसिद्ध वन्यजीव संरक्षणविद् हैं। उनके अग्रणी प्रयासों ने जैव विविधता संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रो. कनौजिया का कार्य स्थायी संरक्षण प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है।सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक पुरस्कार-2024 (Best Scientist Award-2024) डॉ. कल्पना सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, प्राणीशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, को भारतीय शास्त्रीय संगीत के चिकित्सीय प्रभाव पर उनके व्यापक अनुसंधान के लिए प्रदान किया गया। उनके अनुसंधान ने संगीत चिकित्सा के क्षेत्र में नई संभावनाओं को उजागर किया है, जो आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल में भारतीय शास्त्रीय परंपराओं की सांस्कृतिक और वैज्ञानिक प्रासंगिकता पर जोर देता है। युवा शोधकर्ताओं को भी सम्मेलन के दौरान उनकी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों के लिए सम्मानित किया गया।निकिता कटियार और श्रुति शुक्ला को सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 4

शोध देगा मानवशास्त्र, धार्मिक अध्ययन और भूगोल के क्षेत्र में योगदान

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज महाकुंभ 2025 के प्रभावी आयोजन के लिए कार्यबल रणनीतिक योजना और संचालन पर एक अध्ययन शीर्षक से एक प्रोजेक्ट पर काम करेगा, जिसका उद्देश्य महाकुंभ 2025 के दौरान तैनात कार्यबल की रणनीतिक योजना और

- **एलयू करेगा महाकुंभ के आयोजन पर करेगा शोध**

संचालन का समग्र अध्ययन करना है।

महाकुंभ मेला 13 जनवरी से 26 फरवरी तक 5.5 मिलियन आबादी के साथ प्रयागराज के संगम में आयोजित किया जा रहा है, जो 45 दिनों की इस अवधि में 500 - 600 मिलियन से अधिक लोगों (अनुमानित) के समूह की मेजबानी करने के लिए तैयार है।इस अवधि के दौरान भारत और विदेश से लोग दिव्य आशीर्वाद लेने के लिए यमुना और गंगा नदी के शक्तिशाली संगम पर जाएंगे।

इतनी बड़ी विविध आबादी की यात्रा का प्रबंधन करने के लिए सेवा के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता वाले स्वयंसेवकों और सेवा प्रदाताओं के बड़े कार्यबल की आवश्यकता होती है। यह चुनौतीपूर्ण, गतिशील और अत्यधिक रचनात्मक वातावरण कार्यबल संचालन के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करने और इस पैमाने पर जनसंचार प्रबंधन तथा स्वयंसेवकों/कार्यबल द्वारा दी गई सेवाओं का प्रबंधन करने का अवसर प्रदान करेगा। प्रोजेक्ट इन्वेस्टिगेटर प्रो. संगीता साहू, डीन फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज ने बताया कि इस अध्ययन का ध्यान इवेंट कार्यबल मूल्यांकन, रणनीतिक कार्यबल योजना और दृष्टिकोण, कार्यस्थल तैनाती, संचालन, और अनुपालन, इवेंट पर्यावरण संस्कृति, संचार और नेतृत्व पर केंद्रित होगा। इसकी विस्तृत विश्लेषण के साथ एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। साथ ही केस अध्ययन और शोध पत्रों के रूप में सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान की जाएगी।

इसके अतिरिक्त, लखनऊ विश्वविद्यालय कुम्भ मेला के सांस्कृतिक, सामाजिक, संगठनात्मक और अवसंरचनात्मक पहलुओं का अध्ययन करने के लिए एक अन्य अंतर्विभागीय पहल भी करेगा। इस परियोजना का नाम ₹ मैपिंग द ट्रांज़िएंट मेट्रोपोलिसः कुम्भ मेला के संदर्भ में तीर्थयात्रा और पवित्र भौगोलिकता पर एक मानवशास्त्रीय अध्ययनह है, जो सांस्कृतिक स्मृति और संचार, यानी किस प्रकार कुम्भ मेला की कथाएँ, मिथक और अनुभव पीढ़ी दर पीढ़ी प्रसारित होते हैं, इसका अध्ययन करेगी। यह अध्ययन मौखिक इतिहास और स्थानीय कथाओं की भूमिका का भी विश्लेषण करेगा और कुम्भ मेला स्थलों के पवित्र भूगोल, उनके ऐतिहासिक, पुराणिक और धार्मिक महत्व का अध्ययन करेगा।

यह शोध मानवशास्त्र, धार्मिक अध्ययन और भूगोल के क्षेत्र में योगदान देगा, जिससे हम पवित्र स्थानों और मानव अनुभवों के बीच के संबंध को और अधिक समझ सकेंगे। यह नीति निर्माताओं, शहरी योजनाकारों और पर्यावरणविदों के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टियाँ प्रदान करेगा, जो बड़े पैमाने पर धार्मिक आयोजनों के प्रबंधन पर काम कर रहे हैं। महा कुम्भ के स्थानिक और प्रतीकात्मक आयामों की जांच करके, यह अध्ययन सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गतिशीलता को समझने में मदद करेगा जो पवित्र स्थानों के साथ मानव संबंधों को प्रेरित करती है और इस प्रकार के विशाल आयोजनों के सफल प्रबंधन में योगदान करेगी।

JAGRAN CITY PAGE I

महाकुंभ पर विस्तृत अध्ययन करेगा लवि

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय का प्रबंध अध्ययन संकाय 2025 के महाकुंभ के लिए कार्यबल, रणनीतिक योजना एवं संचालन आदि पर विस्तृत अध्ययन करेगा। नगर विकास विभाग ने प्रबंध संकाय की डीन प्रो. संगीता साहू और मानव शास्त्र विभाग की प्रो. केया पांडेय को प्रोजेक्ट दिया है।

दरअसल, महाकुंभ मेला 13 जनवरी से 26 फरवरी तक 5.5 मिलियन आबादी के साथ प्रयागराज के संगम में आयोजित किया जाएगा। 45 दिनों की इस अवधि में 500-600 मिलियन से अधिक लोगों के समूह की मेजबानी करने के लिए तैयारी की गई है। इस दौरान भारत और विदेश से लोग दिव्य आशीर्वाद लेने के लिए यमुना और गंगा नदी के पवित्र संगम पर जाएंगे।

प्रबंध अध्ययन संकाय की अधिष्ठाता प्रो. संगीता साहू ने बताया कि इतनी बड़ी विविध आबादी की यात्रा का प्रबंधन करने के लिए सेवा के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता वाले स्वयंसेवकों और सेवा प्रदाताओं के बड़े कार्यबल की आवश्यकता होती है। यह अध्ययन इवेंट कार्यबल मूल्यांकन, रणनीतिक कार्यबल योजना, दृष्टिकोण, कार्यस्थल तैनाती, संचालन, अनुपालन, इवेंट पर्यावरण संस्कृति, संचार और नेतृत्व पर केंद्रित होगा।

- **महाकुंभ के लिए रणनीतिक योजना और संचालन का अध्ययन करेगा लवि का प्रबंध अध्ययन संकाय**

प्रो. केया पांडेय

प्रो संगीता साहू

कुंभ मेला की कथाएं, मिथक का भी अध्ययन

लवि कुंभ मेला के सांस्कृतिक, सामाजिक, संगठनात्मक और अवसंरचनात्मक पहलुओं का अध्ययन करने के लिए एक अन्य अंतर्विभागीय पहल भी करेगा। इसमें कुंभ मेला की कथाएं, मिथक और अनुभव पीढ़ी दर पीढ़ी प्रसारित होने, मेला स्थलों के पवित्र भूगोल, उनके ऐतिहासिक, पुराणिक और धार्मिक महत्व का भी अध्ययन करेगा।

छात्रवृत्ति फार्म में आठ तक लगा सकेंगे वायोमीट्रिक

जासं • लखनऊ : लवि ने दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति (सत्र 2024-25) के लिए सामान्य, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को फिर से मौका दिया है। जिन्होंने फार्म जमा कर दिया है, उन्हें 30 दिसंबर से तीन जनवरी तक इसका समय दिया गया है। वहीं, पूर्व में वायोमीट्रिक से छूटे विद्यार्थी आठ जनवरी तक वायोमीट्रिक लगा सकते हैं। लवि की ओर से सूचना जारी की गई है।

लवि अब तक छात्रवृत्ति फार्म जमा करने से लेकर वायोमीट्रिक लगाने के लिए तीन बार तिथि बढ़ा चुका है। अब चौथी बार फिर से मौका दिया गया है। आवेदन फार्म का प्रिंटआउट निकाल कर प्राप्त रिसीविंग नंबर के अनुसार निर्धारित तिथि पर कुलसचिव कार्यालय के छात्रवृत्ति अनुभाग में अनिवार्य रूप से वायोमीट्रिक लगाना होगा।

लवि की नोडल आफिसर (छात्रवृत्ति) की ओर से जारी सूचना के अनुसार सामान्य वर्ग के रिसीविंग नंबर एक से दो हजार तक एवं एससी-एसटी में 1301 से 1400 तक वाले ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने अभी तक वायोमीट्रिक नहीं लगाई है। उन्हें आठ जनवरी तक समय दिया गया है।

महाकुंभ पर शोध करेगा लखनऊ विश्वविद्यालय

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय का प्रबंध अध्ययन संकाय 2025 के महाकुंभ के लिए कार्यबल, रणनीतिक योजना एवं संचालन आदि पर विस्तृत अध्ययन करेगा। इसको लेकर संकाय ने प्रोजेक्ट तैयार किया है। प्रोजेक्ट का शीर्षक महाकुंभ 2025 के प्रभावी आयोजन के लिए कार्यबल रणनीतिक योजना और संचालन पर अध्ययन रखा गया है।

महाकुंभ मेला 13 जनवरी से 26 फरवरी तक 5.5 मिलियन आबादी के साथ प्रयागराज के संगम में आयोजित किया जाएगा। 45 दिनों की इस अवधि में 500-600 मिलियन से अधिक लोगों (अनुमानित) के समूह की मेजबानी करने के लिए तैयारी की गई है। इस दौरान भारत और विदेश से लोग दिव्य आशीर्वाद लेने के लिए यमुना और गंगा नदी के पवित्र संगम पर जाएंगे। प्रबंध अध्ययन संकाय की अधिष्ठाता प्रोफेसर संगीता साहू ने बताया कि इतनी बड़ी विविध आबादी की यात्रा का प्रबंधन करने के लिए सेवा के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता वाले स्वयंसेवकों और सेवा प्रदाताओं के बड़े कार्यबल की आवश्यकता होती है।

यह अध्ययन इवेंट कार्यबल मूल्यांकन, रणनीतिक कार्यबल योजना, दृष्टिकोण, कार्यस्थल तैनाती, संचालन, अनुपालन, इवेंट पर्यावरण संस्कृति, संचार और नेतृत्व पर केंद्रित होगा। इसकी विस्तृत विश्लेषण के साथ रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। साथ ही केस अध्ययन और शोध पत्रों के रूप में सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान की जाएगी।

TOI PAGE 4

Printed from
THE TIMES OF INDIA

LU tasked with 2 research projects on Maha Kumbh

TNN | Dec 30, 2024, 04.48 AM IST

Lucknow: Lucknow University has been tasked with conducting two important research projects on Maha Kumbh 2025. Assigned by the urban development department, these studies will focus on strategic workforce planning, operational efficiency, and the cultural and spiritual aspects of the event.

The first project, titled 'A Study of Workforce Strategic Planning and Operations for Effective Organisation of Maha Kumbh 2025', was assigned to the university's management department. Under this project, the research team will aim to comprehensively study the strategic planning of the workforce deployed during the Maha Kumbh and the operations of this workforce to ensure the effective organisation of Maha Kumbh 2025. Meanwhile, the second project was assigned to the university's anthropology department and is titled 'Mapping the Transient Metropolis: An Anthropological Study on Pilgrimage and Sacred Geography with Reference to the Kumbh Mela'. "Managing the visit of such a vast and diverse population requires a large workforce of volunteers and service providers, all with a strong commitment to serve. This dynamic, challenging, and highly creative environment provides an opportunity to explore and examine various aspects of event workforce operations," said Sangeeta Sahu, dean of the faculty of management, who is the project investigator.

She said the study would focus on event workforce assessment, strategic workforce planning, workplace deployment, operations, compliance, event culture, communication, and leadership. The project would result in a detailed report, presenting scientific understanding and management of such events, along with best practices identified as case studies and research papers, she added.

LU will also conduct another interdisciplinary initiative to explore the cultural, social, organisational, and infrastructural aspects of the Kumbh Mela.

Anthropology department will explore cultural memory and transmission—how stories, myths, and experiences are passed down through generations. "The study will also examine the role of oral history and local narratives in shaping the event and analyse the sacred geography of the Kumbh Mela sites, including their historical, mythological, and religious significance," said Keya Pandey, anthropology professor and project investigator.

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रख्यात शिक्षाविदों का सम्मान

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। सरवहित कल्याण सेवा समिति ने प्रकृति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी:आधुनिक जीवनशैली-मुद्दे और दृष्टिकोण पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। कार्यक्रम में विज्ञान और अनुसंधान में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रमुख प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। सम्मेलन में महिला उत्कृष्टता पुरस्कार प्रो.अमिता कनौजिया को प्रदान किया गया, जो एक प्रसिद्ध वन्यजीव संरक्षणविद् हैं। उनके अग्रणी प्रयासों ने जैव विविधता संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रो.कनौजिया का कार्य स्थायी संरक्षण प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है। वहीं, सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक पुरस्कार-2024 डॉ.कल्पना सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, प्राणीशास्त्र विभाग, लविवि को भारतीय शास्त्रीय संगीत के चिकित्सीय प्रभाव पर उनके व्यापक अनुसंधान के लिए प्रदान किया गया। उनके अनुसंधान ने संगीत चिकित्सा के क्षेत्र में नई संभावनाओं को उजागर किया है, जो आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल में भारतीय शास्त्रीय परंपराओं की सांस्कृतिक और वैज्ञानिक प्रासंगिकता पर जोर देता है। इस दौरान लविवि, बॉटनी विभाग के प्रो.एसएन पांडे को प्रतिष्ठित एसकेएसएस राष्ट्रीय ग्रीन साइंटिस्ट अवॉर्ड 2024 से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार प्रो.पांडे के शोध और विकास के क्षेत्र में असाधारण योगदान को मान्यता देने के लिए प्रदान किया गया। इसके अलावा, युवा शोधकर्ताओं को भी सम्मेलन में उनकी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों के लिए सम्मानित किया गया। जिसमें निकिता कटियार और श्रुति शुक्ला को सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार और मोनिका यादव को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस मौके पर निकिता कटियार व मोनिका यादव ने भारतीय शास्त्रीय संगीत पर आधारित संगीत चिकित्सा पर अपने नवाचार शोध प्रस्तुत किए। श्रुति शुक्ला ने मत्स्य विज्ञान में अपने कार्य से जूरी को प्रभावित किया, जिसमें उन्होंने आधुनिक मत्स्य पालन में स्थायी प्रथाओं की प्रासंगिकता को प्रदर्शित किया। यह सम्मेलन ज्ञान साझा करने का एक उत्कृष्ट मंच साबित हुआ, जिसमें पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के मिलन से समकालीन चुनौतियों के समाधान पर जोर दिया गया। इन पुरस्कारों ने न केवल प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों और उभरते शोधकर्ताओं की उपलब्धियों का सम्मान किया, बल्कि अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने में अंत:विषय दृष्टिकोण के महत्व को भी रेखांकित किया। सम्मेलन का समापन सहयोग को बढ़ावा देने और विज्ञान, प्रौद्योगिकी और संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य को प्रोत्साहित करने के संकल्प के साथ हुआ।

HT PAGE 4

LU TO DECODE WORKFORCE STRATEGIES OF MAHAKUMBH 2025

LUCKNOW : The faculty of management studies at the Lucknow University (LU) is set to undertake a project titled "A study of workforce strategic planning and operations for the effective organisation of Mahakumbh 2025." The project aims to delve into the strategic planning and operations of the workforce tasked with managing the Mahakumbh, ensuring its seamless execution, an official said.

Scheduled to take place in Prayagraj from January 13 to February 26, the Mahakumbh Mela is expected to attract an estimated 400 million visitors over 45 days. Managing such a crowd will require a meticulously planned workforce comprising volunteers and service providers dedicated to ensuring smooth operations. "This project offers a unique opportunity to explore complexities of event workforce management," said Prof Sangeeta Sahu, dean of faculty of management studies and project's lead investigator. LU will also undertake an interdisciplinary project titled "Mapping the transient metropolis: An anthropological study on pilgrimage and sacred geography with reference to the Kumbh Mela." HTC

LU profs, students honoured at meet

LUCKNOW : Students and professors of Lucknow University (LU) were honoured at a two-day international conference on nature, science, and technology, organised by Sarvahit Kalyan Sewa Samiti at Pioneer Montessori College, Eldeco. Prof Amita Kanaujia received the Women of Excellence Award. Dr Kalpana Singh was conferred the Best Scientist Award-2024, and Prof SN Pandey received the National Green Scientist Award.